राष्ट्रपति के 2024 के अभिभाषण के मुख्य अंश

भारत की राष्ट्रपति सुश्री द्रौपदी मुर्मू ने 31 जनवरी, 2024 को संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। उन्होंने अपने अभिभाषण में सरकार की प्रमुख नीतिगत उपलब्धियों और लक्ष्यों को रेखांकित किया। अभिभाषण के मुख्य अंश निम्नलिखित हैं:

अर्थव्यवस्था और वित्त

- गंभीर वैश्विक संकट के बीच भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और देश ने लगातार दो तिमाहियों में 7.5% से अधिक की विकास दर बरकरार रखी है।
- 2014 से पहले 10 वर्षों में मुद्रास्फीति 8% से अधिक थी। पिछले दशक में यह 5% पर रही है।
- पिछले एक दशक में लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।
- पिछले 10 वर्षों में भारत का निर्यात 450 बिलियन USD से बढ़कर 775 बिलियन USD हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार वर्तमान में 600 अरब USD से अधिक है।
- पिछले दशक में लगभग 21 करोड़ वाहन बेचे गए हैं, जबकि इससे पिछले दशक में यह आंकड़ा 13 करोड़ था।
- जीएसटी भुगतान करने वाले और आईटीआर दाखिल करने वाले लोगों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।
- इनसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी संहिता लागू की गई है।
- बैंकों के नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स घटकर लगभग 4% पर आ गए हैं जबकि पहले ये पहले दोहरे अंक पर थे।

उद्योग

- स्टार्टअप्स की संख्या कुछ सौ हुआ करती थी। अब ये चार लाख से अधिक हो गए हैं।
- भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। उसने पहले की तरह खिलौनों का आयात करने की बजाय उनका निर्यात करना भी शुरू कर दिया है।
- कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने के लिए 40,000 से अधिक अनुपालनों को हटा दिया गया है या सरल बना दिया गया है।
- वन एवं पर्यावरण मंजूरी में 75 दिन से भी कम समय लगता है, जबकि पहले 600 दिन लगते थे।
- उद्यम और उद्यम सहायता पोर्टल पर लगभग 3.5 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत हैं। करीब पांच लाख करोड़ रुपए के एमएसएमई लोन पर सरकारी गारंटी दी गई है। 2014 से पहले प्रदान की जाने वाली राशि से यह छह गुना अधिक है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं शुरू की गई हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और परिवहन

- 10 साल में पूंजीगत व्यय पांच गुना बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए हो गया है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 90,000 किमी से बढ़कर 1.46 लाख किमी हो गई है। चार-लेन वाले राजमार्गों की लंबाई 2.5 गुना बढ़ गई है।
- 25,000 किमी से अधिक रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। भारत रेलवे के 100% बिजलीकरण के करीब है। 39 से ज्यादा रूट्स पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।
- प्रमुख बंदरगाहों की कार्गो प्रबंधन क्षमता दोगुनी हो गई है। हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 149 हो गई है। उड़ान योजना के तहत लोगों ने हवाई टिकटों पर लगभग 3,000 करोड़ रुपए की बचत की है।
- ब्रॉडबैंड यूजर्स 14 गुना बढ़ गए हैं।

ऊर्जा

- 10 वर्षों में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 81 गीगावाट से बढ़कर 188 गीगावाट हो गई है।

ऋत्विक उपाध्याय
rutvik@prsindia.org
अर्पिता मलिक
arpita@prsindia.org

31 जनवरी, 2024

- भारत ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन से 50% स्थापित क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।
- सौर क्षमता 26 गुना बढ़ गई है, जबकि पवन क्षमता दोगुनी हो गई है। 10 नई परमाणु ऊर्जा योजनाओं को मंजूरी दी गई है।
- नई सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन स्कीम के तहत एक करोड़ परिवारों को सहायता प्रदान की जाएगी।
- वन नेशन, वन पावर ग्रिड से देश में बिजली ट्रांसमिशन में सुधार हुआ है।
- एलईडी बल्ब योजना से बिजली बिल पर 20,000 करोड़ रुपए की बचत हुई है।
- उज्ज्वला के तहत 10 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए हैं। इस योजना पर 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।
- देश में 10,000 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन बिछाई गई है। वन नेशन, वन गैस ग्रिड से गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है।
- 2014-15 में लगभग दो हजार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बेचे गए। इसकी तुलना में 2023-24 (दिसंबर 2023 तक) में 12 लाख ईवी बेचे गए हैं।

अंतरिक्ष

- भारत ने आदित्य मिशन लॉन्च किया। सैटेलाइट धरती से 15 लाख किमी दूर पहुंचा। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना झंडा फहराने वाला पहला देश बन गया है।
- अंतरिक्ष के क्षेत्र को स्टार्टअप्स के लिए खोल दिया गया है।

रक्षा और आंतरिक सुरक्षा

- सरकार ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित की है।
- भारत के रक्षा बलों के लिए पहली बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
- पूर्व सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन से लगभग एक लाख करोड़ रुपए मिले हैं।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत भारत की सीमा पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है।

कृषि और खाद्य सुरक्षा

- कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। इसे पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।
- पीएम किसान के तहत किसानों को अब तक 2.8 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।
- पीएम फसल बीमा योजना के तहत किसानों को 1.5 लाख करोड़ रुपए के क्लेम मिले हैं।
- पिछले एक दशक में किसानों को धान और गेहूं के लिए एमएसपी के रूप में 18 लाख करोड़ रुपए मिले हैं। 2014 से पहले के 10 वर्षों में भुगतान की गई राशि से यह 2.5 गुना अधिक है।
- तिलहन और दलहन उत्पादक किसानों को एमएसपी के रूप में 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक मिले हैं।
- पिछले एक दशक में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए 11 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।
- मछली उत्पादन 95 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 175 लाख मीट्रिक टन हो गया है। मत्स्य निर्यात दोगुना हो गया है।

शहरी और ग्रामीण विकास

- मेट्रो नेटवर्क का विस्तार 5 से 20 शहरों तक हो गया है।
- 4.1 करोड़ गरीब परिवारों के पास अपने पक्के घर हैं। इनकी लागत करीब छह लाख करोड़ रुपए है।
- लगभग 11 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पाइप से पानी पहुंच चुका है। इस पर लगभग चार लाख करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं।
- 11 करोड़ शौचालयों के निर्माण और खुले में शौच की समाप्ति से कई बीमारियों पर रोक लगी है।

स्वास्थ्य

- आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे नागरिकों को लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए बचाने में मदद मिली है।
- कोरोनरी स्टेंट, नी इम्प्लांट्स और कैंसर की दवाओं की कीमतें कम कर दी गई हैं। इससे

मरीजों को सालाना लगभग 27,000 करोड़ रुपए की बचत हो रही है।

- 16 एम्स, 315 मेडिकल कॉलेज और 157 नर्सिंग कॉलेज खोले गए हैं। एमबीबीएस की सीटें दोगुनी से ज्यादा हो गई हैं।

महिला और बाल विकास

- लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किया गया है।
- लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इन समूहों को आठ लाख करोड़ रुपए के बैंक ऋण और 40,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है।
- महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है। इससे लाखों महिलाओं को लाभ हुआ है।

शिक्षा

- सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए 14,000 से अधिक पीएम श्री स्कूलों पर काम कर रही है। इनमें से लगभग 6,000 स्कूलों ने काम करना शुरू कर दिया है।
- शिक्षा में ड्रॉपआउट दर कम हुई है। एससी और ओबीसी विद्यार्थियों का नामांकन 44% और एसटी विद्यार्थियों का नामांकन 65% बढ़ा है।
- देश में अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करने के लिए कानून पारित किया गया।

श्रम और दक्षता विकास

- पीएम स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों को 10,000 करोड़ रुपए का कोलेट्रल-मुक्त ऋण प्रदान किया गया है।
- पीएम-विश्वकर्मा के तहत 84 लाख कारीगरों को लाभ मिला है।

सामाजिक न्याय

- सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाया गया है।
- अंडर-ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी के लिए 27% आरक्षण प्रदान किया जाता है।

आदिवासी मामले

- पिछले दशक के दौरान हजारों आदिवासी गांवों को बिजली और सड़क कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। पीएम जनमन योजना विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के विकास पर केंद्रित है।
- आदिवासी परिवारों में सिकल सेल एनीमिया को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया गया है। अब तक 1.4 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

विदेश मामले

- सरकार ने जी20 में अफ्रीकी संघ के लिए स्थायी सदस्यता सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं। शिखर सम्मेलन में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप कॉरिडोर के विकास की घोषणा की गई।

अस्वीकरणः प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।